एक नजर में

कलेक्टर ने अपना घर की बालिकाओं के साथ खेली होली

मंदसौर। कलेक्टर अदिति गर्ग ने रंगपंचमी के पावन अवसर पर कलेक्टर निवास पर अपना घर की बालिकाओं के साथ स्नेहपूर्वक होली खेली। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने बालिकाओं को होली की शुभकामनाएं दीं और उनके साथ रंगों के इस पर्व की खुशियां साझा कीं। कलेक्टर ने बालिकाओं से बातचीत कर उनका हालचाल जाना तथा उन्हें पढ़ाई और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि होली आपसी प्रेम, भाईचारे और खुशियों का पर्व है, जिसे सभी को मिलकर मनाना चाहिए। इस अवसर पर कलेक्टर गर्ग ने बालिकाओं को उपहार भी भेंट किए, जिससे उनके चेहरे खिल उठे। बालिकाओं ने भी कलेक्टर के साथ उत्साहपूर्वक होली खेलते हुए इस पल को यादगार बनाया।

डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा के व्यवसाय हेतु डायरेक्ट एजेंट का चयन हेतु साक्षात्कार 16 मार्च को

मंदसौर। डाकघर अधिक्षक द्वारा बताया गया कि कार्यालय अधीक्षक डाकघर मंदसौर द्वारा भारतीय डाक विभाग की लोकप्रिय बीमा योजना डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा (पीएलआई एवं आरपीएलआई) के व्यवसाय हेतु डायरेक्ट एजेंट का चयन किया जाना है। इसके लिए मंदसौर एवं नीमच जिले के डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा (पीएलआई एवं आरपीएलआई) बीमा क्षेत्र के व्यवसाय हेतु इच्छुक उम्मीदवार इस हेतु आवेदन कर सकते है। साक्षात्कार का आयोजन 16 मार्च 2026 को समय 12:00 बजे से किया जाएगा। इस हेतु 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के आवेदक आवेदन कर सकते है। आवेदक की शैक्षणिक योग्यता 10वी पास या समकक्ष (राज्य / केंद्रीय बोर्ड) होनी चाहिए एवं कम्प्यूटर व स्थानीय क्षेत्र का ज्ञान होना चाहिए। उपरोक्त अहर्ताएं पूर्ण करने वाले इच्छुक उम्मीदवार अपने आवेदन तथा बायोडाटा के साथ उक्त समयावधि मे कार्यालय अधीक्षक डाकघर मंदसौर संभाग, मंदसौर मे निर्धारित समय पर उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठा सकते है।

सुपर 5 हजार योजना के लिए 10वीं-12वीं के विद्यार्थी 31 मार्च तक करें आवेदन

मंदसौर। सहायक श्रम आयुक्त ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत पंजीबद्ध निर्माण श्रमिकों के पुत्र/पुत्रियों के लिए संचालित 'सुपर 5 हजार' योजना अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2024-25 में माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं परीक्षा में प्रथम 5 हजार तथा 12वीं कक्षा में संकायवार प्रथम 5 हजार विद्यार्थियों की प्रावीण्य सूची श्रम सेवा पोर्टल पर अपलोड कर दी गई है। योजना अंतर्गत पात्र विद्यार्थियों को मेरिट द्वारा एकमुश्त 25 हजार रुपये की नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। पात्र निर्माण श्रमिकों की संतानों द्वारा विद्यालय के माध्यम से निर्धारित आवेदन पत्र 31 मार्च 2026 तक प्रस्तुत किए जा सकते हैं। आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेजों में निर्माण श्रमिक का पोर्टल जनरेटेड परिचय पत्र, निर्माण श्रमिक/पंजीयन धारक की बैंक पासबुक की छायाप्रति (जिसका बैंक खाता विवरण परिचय पत्र में अंकित हो), संस्था प्रमुख द्वारा जारी वर्तमान में अध्ययनरत होने का प्रमाण पत्र एवं अंकसूची की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा। अधिक जानकारी हेतु संबंधित विद्यालय या श्रम कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

51 ढोल-नगाड़ों की गूंज में निकली ऐतिहासिक विशाल फाग यात्रा

मंदसौर। रंगपंचमी के पावन अवसर पर रविवार को सामाजिक समरसता मंच के तत्वावधान में शहर में ऐतिहासिक विशाल फाग यात्रा अत्यंत उत्साह, उमंग और धार्मिक माहौल के बीच निकाली गई। बैंड-बाजों, 51 ढोल-नगाड़ों की गूंज और फाग गीतों की मधुर धुनों के साथ निकली इस यात्रा में हजारों शहरवासियों ने भाग लेकर पूरे नगर को रंगोत्सव के रंगों में रंग दिया।

सुबह से ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों से समाजजन ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक गैर के साथ अपने-अपने क्षेत्रों से निकलकर आजाद चौक (घंटाघर) पर एकत्रित हुए। यहां सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया, जिसके बाद विधिवत पूजा-अर्चना कर भव्य फाग यात्रा का शुभारंभ किया गया।

यात्रा के दौरान शहर के युवा, समाजजन और गणमान्य नागरिक ढोल की थाप पर नाचते-गाते हुए आगे बढ़ते रहे। चारों ओर गुलाल उड़ता रहा और पूरा वातावरण रंगों से सराबोर दिखाई दिया। आयोजकों के अनुसार इस अवसर पर लगभग 31 क्विंटल गुलाल उड़ाया गया, जिससे शहर की सड़कें भी रंगों से रंगीन हो गईं।

फाग यात्रा में राधा-कृष्ण की आकर्षक झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इसके साथ ही गुलाल उड़ाने की विशेष मशीन और फायर फाइटर वाहन भी शामिल किया गया, जो समय-समय पर पानी की बौछार कर माहौल को और अधिक आनंदमय बना रहा था। भजन मंडलियों की टोलियां फाग गीत गाते हुए यात्रा में शामिल रहीं, जिससे धार्मिक और सांस्कृतिक वातावरण बना रहा।

यह भव्य यात्रा घंटाघर से प्रारंभ होकर भारत माता चौराहा, बड़े बालाजी बस स्टैंड होते हुए गांधी चौराहा तक पहुंची। मार्ग में विभिन्न समाजों, संगठनों एवं व्यापारिक संस्थाओं द्वारा करीब 15 स्थानों पर स्वागत मंच और अल्पाहार स्टॉल लगाकर यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं और शहरवासियों का स्वागत किया गया।

फाग महोत्सव समिति के अध्यक्ष राजेश कासठ ने बताया कि रंगपंचमी पर आयोजित यह फाग यात्रा वर्षों से शहर की सांस्कृतिक पहचान बन चुकी है और इसका उद्देश्य समाज में भाईचारा, प्रेम और सामाजिक समरसता का संदेश देना है।

समिति के सचिव वर्दीचंद कुमावत एवं कोषाध्यक्ष सोहनलाल कोठारी ने बताया कि इस आयोजन में शहर की लगभग 20 बस्तियों से समाजजन गैर के रूप में शामिल हुए, जिससे आयोजन और भी भव्य बन गया।

पूरे मार्ग में ढोल-नगाड़ों की थाप, गुलाल की बौछार और 'होली है' के जयघोष से वातावरण गूंजता रहा। शहरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर इस आयोजन को ऐतिहासिक और यादगार बना दिया।

चंबल नदी में नाव पलटने से किसान लापता, 36 घंटे बाद भी नहीं मिला शव

गरोठ। शामगढ़ थाना क्षेत्र के रणायरा गांव के पास चंबल नदी में नाव पलटने से डूबे 53 वर्षीय किसान गुमान सिंह का शव 36 घंटे बाद भी नहीं मिल पाया है। शनिवार सुबह हुए इस हादसे के बाद से परिजन गहरे सदमे में हैं और अंतिम संस्कार को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार रणायरा निवासी गुमान सिंह (पुत्र फते सिंह) शनिवार सुबह अपनी छोटी नाव से नदी पार कर रिश्तेदार सरदार सिंह के खेत पर अफीम की फसल की कटाई करने जा रहे थे। इसी दौरान चंबल नदी के बीच अचानक नाव पलट गई और गुमान सिंह तेज बहाव में बह गए।

घटना की सूचना मिलते ही चंदवासा चौकी प्रभारी मनोज महाजन पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और तत्काल बचाव कार्य शुरू कराया गया। सर्च ऑपरेशन में बसई की गोताखोर टीम को लगाया गया। बाद में मंदसौर से राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीम भी मौके पर पहुंची और तलाशी अभियान तेज किया गया।

चौकी प्रभारी मनोज महाजन ने बताया कि सर्च ऑपरेशन में पुलिस और एसडीआरएफ के करीब 15 जवान लगे हुए हैं तथा 6 नावों की मदद से लगातार नदी में तलाश की जा रही है। इसके बावजूद अभी तक डूबे किसान का कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

इधर गुमान सिंह के घर पर मातम का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उनकी बहनें और बेटियां भी घर पहुंच गई हैं।

परिवार के सदस्य विक्रम सिंह और गोविंद सिंह का कहना है कि यदि कोई प्रभावशाली व्यक्ति इस तरह की दुर्घटना में लापता होता तो पूरा प्रशासन सक्रिय हो जाता, लेकिन एक गरीब किसान के मामले में व्यवस्थित और तेज कार्रवाई नहीं हो रही है।

पुलिस ने घटना दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं नदी की गहराई और छोटी नाव के उपयोग को हादसे का प्रमुख कारण बताया जा रहा है।

हाईवे किनारे बिना मुण्डेर का कुआं दे रहा हादसे को आमंत्रण

पिपलियामण्डी। महू-नीमच मार्ग फोरलेन पर गांव बोतलगंज के समीप सड़क किनारे बना एक बिना मुण्डेर का कुआ वाहन चालकों और राहगीरों के लिए खतरा बना हुआ है। हाईवे से बिल्कुल सटा होने के कारण यहां कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है।

बावजूद इसके जिम्मेदार विभाग द्वारा अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। गांव के सामाजिक कार्यकर्ता नीलेश जैन ने बताया कि फोरलेन मार्ग पर लगातार भारी वाहनों सहित अन्य वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। ऐसे में सड़क किनारे बिना मुण्डेर का खुला कुआ गंभीर दुर्घटना को न्यौता दे रहा है। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी बिना मुण्डेर के खुले कुओं में वाहन गिरने से कई हादसे हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन ने कोई स्थायी व्यवस्था नहीं की। स्थानीय लोगों का कहना है कि हादसा होने के बाद प्रशासन द्वारा केवल कुओं को बंद कराने के निर्देश देकर औपचारिकता पूरी कर ली जाती है, जबकि स्थायी रूप से सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए जाते। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस कुएं के चारों ओर मजबूत मुण्डेर या सुरक्षा घेरा नहीं बनाया गया तो भविष्य में यहां बड़ा हादसा हो सकता है।

एक नजर — रविवार को शुद्धिकरण अभियान में नदी से 1 ट्रॉली कचरा निकाला गया

रंग पंचमी पर भी जारी रहा शिवना शुद्धिकरण अभियान

मंदसौर। शिवना नदी को स्वच्छ और निर्मल बनाने के उद्देश्य से चल रहा शिवना शुद्धिकरण अभियान लगातार आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में आज अभियान का 94वां दिन था। रंग पंचमी जैसे त्योहार के दिन भी श्रमदानियों का उत्साह कम नहीं हुआ और लोग शिवना नदी किनारे एकत्रित होकर श्रमदान करने पहुंचे। सभी ने मिलकर पूरे उत्साह और समर्पण के साथ नदी और उसके आसपास के क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया। श्रमदानियों ने नदी किनारे फैले प्लास्टिक कचरे, गंदगी और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को साफ किया। सफाई अभियान कार्य पूर्ण होने के बाद रंग पंचमी के अवसर पर सभी श्रमदानियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर रंगों के इस पावन पर्व की एक दूसरे को शुभकामनाएं दीं। इस प्रकार रंग पंचमी के दिन भी श्रमदानियों ने सेवा और स्वच्छता का संदेश दिया।

इस अवसर पर लोकप्रिय विधायक विपिन जैन ने सभी मंदसौर वासियों से आहवान किया कि शिवना शुद्धिकरण अभियान में प्रति रविवार को प्रात: 7:30 से 9:30 बजे के बीच श्रमदान करने जरूर पधारे। रविवार को शिवना शुद्धिकरण अभियान के 94वे दिन श्रमदान करने वालों में सर्वश्री विधायक विपिन जैन, समाज सेवियों में सर्वश्री हेमराज खाबिया, रमेश सोनी, भंवरलाल प्रजापत, राकेश जैन पिंटू, विजय आनंद, बालकृष्ण पोरवाल, बालकृष्ण दवे, सिंह राजपूत सामाजिक संगठन के कमल सिंह चौहान, सुरेंद्रसिंह भदोरिया, अशोक सिंह जादोन गांव गुराडिया देदा से अखिलेश शर्मा गांव धमनार से सोहन धाकड़, महिला नेत्रीयों में सोनाली जैन, राखी सत्रावाला, वर्षा सांखला, प्रमिला पंवार, दीपाली पोरवाल, कांग्रेसजन मे सर्वश्री राजनारायण लाड़, विकास दशोरा, दिलीप देवड़ा, संजय नाहर, रमेश सिंगार, अजय सोनी, मनोहर नाहटा, विश्वास दुबे, राजेश फरक्या, राजेश खिंची, सादिक गौरी, अकरम खान, आमीन खान, राकेश सेन, ऋषिराज लाड़, प्रिंस सत्रावाल, अहद अली, गोपाल बंजारा आदि श्रमदान में उपस्थित रहे।

नीमच

एक नजर में

जूट-गोबर से बनाई पीएम मोदी और मां हीराबा की पेंटिंग

नीमच। जिले के कुचड़ोद गांव के चित्रकार राहुल देव लोहार ने जूट के कपड़े और गाय के गोबर का इस्तेमाल कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी माता हीराबा की पेंटिंग बनाई है। यह कलाकृति 'स्वदेशी अपनाओ' और 'विश्वकर्मा योजना' से प्रेरित है और पूरी तरह पर्यावरण अनुकूल है। राहुल ने पेंटिंग के लिए कैनवास स्वयं तैयार किया। जूट की बोरी पर गाय के गोबर, मेथी और अन्य प्राकृतिक सामग्रियों का लेप लगाया गया। इस कलाकृति में किसी भी तरह के रासायनिक रंग का इस्तेमाल नहीं किया गया। उन्होंने प्राकृतिक रंगों से चित्र तैयार किया, जो 'आत्मनिर्भर भारत' और 'लोकल फॉर वोकल' का संदेश देती है। राहुल ने बताया कि प्रधानमंत्री की ओर से पारंपरिक कारीगरों को दिए जा रहे सम्मान और स्वदेशी के संदेश ने उन्हें यह काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्हें स्कूल से ही चित्रकला में रुचि है। राहुल का नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। कोरोना काल में उन्होंने एक ही मास्क पर 44 कोरोना योद्धाओं के चित्र बनाए थे। इसके अलावा, वे मंदसौर के प्रसिद्ध भगवान अष्टमुखी पशुपतिनाथ की प्रतिमा को छोटे रुद्राक्ष पर भी उकेर चुके हैं।

विधायक ने किया मातृशक्ति का सम्मान

नीमच। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विधायक दिलीपसिंह परिहार ने समाज

को नई दिशा देने वाली महिलाओं का स्वागत अभिनंदन कर सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री परिहार ने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं को सदैव शक्ति, संस्कार और संस्कृति की संवाहक के रूप में देखा जाता है। नारी केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण शक्ति भी है। देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं से समाज को आज बहुत उम्मीदें हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस तभी सार्थक होगा जब महिलाएं अपने आत्मविश्वास और सामर्थ्य को पहचानते हुए घर, परिवार, समाज, राज्य और राष्ट्र को सशक्त बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। गरिमामय कार्यक्रम में विधायक श्री परिहार ने नारी शक्ति का प्रतिनिधित्व कर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृश्ट कार्य कर प्रेरणा बनने वाली बहनों भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना खंडेलवाल, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपड़ा, नगर पुलिस अधीक्षक किरण चौहान, भाजपा जिला मंत्री श्रीमति किरण शर्मा, जिला महिला बाल विकास अधिकारी अंकिता पंड्या, नगर पालिका सीएमओ दुर्गा बामणिया का स्वागत अभिनंदन किया। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष निलेश पाटीदार, , मनोज माहेश्वरी, ओमसिंह उपस्थित थे।

तीन संस्थानों के लाइसेंस निलंबित

नीमच। शासन की मंशा अनुरूप किसानों को उर्वरक वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता, समयबद्धता एवं सुगमता प्रदान करने हेतु ई-विकास (वितरण एवं कृषि आपूर्ति समाधान) प्रणाली लागु की गई है। उपसंचालक कृषि श्री पी.सी.पटेल ने बताया, कि उर्वरक विक्रेताओं द्वारा किसानों को उर्वरक वितरण ई-टोकन के माध्यम से किये जाने हेतु निर्देशित किया गया हैं। इसी तारतम्य में उर्वरक निरीक्षक, वि.ख. मनासा द्वारा उर्वरक विक्रेता मेसर्स अनमोल ट्रेडिंग कंपनी, कुकड़ेश्वर, मेसर्स लाठी बीज भंडार, कुकडेश्वर वि.ख.मनासा, जिला-नीमच तथा एवं उर्वरक निरीक्षक, वि.ख.जावद द्वारा तनिष्का खाद बीज भंडार का निरीक्षण किया गया।

ढोल-ताशों की गूंज और गुलाल की बौछार के बीच युवाओं में दिखा गजब का जोश

▸ रंग पंचमी पर नीमच सिटी में निकली गेर, पलाश के फूलों से तैयार किया रंग, खेली होली

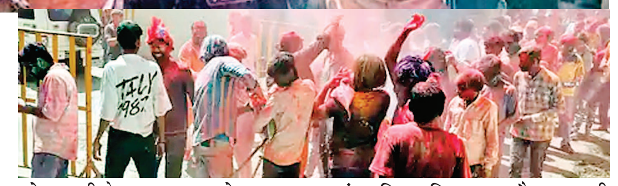

नीमच। शहर के उप नगर नीमच सिटी में रंगपंचमी के अवसर पर गेर का आयोजन किया गया। साथ ही पलाश के फूलों से तैयार किए गए प्राकृतिक रंगों से होली खेली गई। नीमच सिटी में रंगपंचमी पर गेर निकालने की परंपरा करीब 50 वर्षों से अधिक पुरानी है। इसके लिए पलाश के फूलों से प्राकृतिक रंग तैयार कर होली खेली गई। बताया जा रहा है कि सालों पुरानी परंपरा के अनुसार शहर में उप नगर छावनी में होली पर गैर निकलती है। जबकि रंगपंचमी पर नीमच सिटी में गेर निकलने की परंपरा है। करीब 50 वर्षों से अधिक पुरानी इसी परंपरा का रविवार को रंग पंचमी पर अनुसरण किया गया। इस दौरान गेर के आयोजन से जुड़े प्रबुद्ध नागरिकों और सदस्यों द्वारा पहले छोटी गेर निकाली गई, यह गेर नृसिंह मंदिर से प्रमुख मार्गों तक गई जिसके माध्यम से लोगों को आमंत्रण दिया गया।

इसके बाद प्रात: 11 बजे ढोल डीजे बैंड नगाड़ों के साथ विभिन्न प्रकार के सवांग्धारियों से सुसज्जित रंग बिरंगी गुलाल से भरे वातावरण में एक रंगारंग गैर सरदार मोहल्ला चौक से प्रारंभ होकर नीमच सिटी के प्रमुख मार्गों से होते हुई निकली जो पुन: सरदार मोहल्ला चौक पहुंची। सर्व समाज की इस गेर में गुलाल और पलाश के फूलों से तैयार प्राकृतिक रंगों से होली खेली गई। इसके लिए करीब दो कढ़ावों में पलाश के फूलों से प्राकृतिक रंग बनाया गया। करीब दो क्विंटल से अधिक पलाश के फूलों से रंग तैयार किया गया था। इसकी मदद से होली खेली गई और रंगपंचमी का त्योहार मनाया गया।

गैर में अखाड़ा प्रदर्शन, बाना पार्टी, डीजे की धुन और होली के गीतों पर लोग मस्ती के साथ नृत्य करते हुए चल रहे थे। युवाओं ने लोकगीतों की धुन पर नृत्य कर माहौल को उत्सवमय बना दिया। जुलूस के दौरान चारों ओर रंगों की बौछार और जयकारों से वातावरण गूंजता रहा।

आयोजकों ने बताया कि नीमच सिटी में रंग पंचमी की गैर ग्वालियर स्टेट के समय से चली आ रही वर्षों पुरानी परंपरा है, जो शहर की सांस्कृतिक विरासत और आपसी भाईचारे का प्रतीक है। इस आयोजन के माध्यम से समाज में मेलजोल, सौहार्द और सनातन संस्कृति की परंपराओं को आगे बढ़ाने का संदेश दिया जाता है। रंगों, संगीत और उल्लास से सराबोर इस आयोजन में शहरवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और रंग पंचमी का पर्व पूरे उत्साह और आनंद के साथ मनाया।

महिला दिवस पर नीमच में निकली कार रैली

▸ कैंसर, थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारियों के लक्षण-बचाव की दी जानकारी

नीमच। नीमच में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर महिलाओं ने नारी शक्ति और स्वास्थ्य जागरूकता का अनूठा संगम पेश किया। शहर में आयोजित कार रैली के माध्यम से महिलाओं ने गंभीर बीमारियों के प्रति सचेत रहने का संदेश दिया।

दशहरा मैदान से हुई रैली की शुरुआत रैली की शुरुआत दशहरा मैदान से हुई, जहां बड़ी संख्या में महिलाएं अपनी कारों के साथ एकत्रित हुईं। सीआरपीएफ डीआईजी पद्मा चौहान, आईएमए अध्यक्ष मनीष चमड़िया, संस्था अध्यक्ष रिंकू राठौर, सत्येंद्र सिंह राठौड़ और राधिका मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अतिथियों ने स्वास्थ्य जागरूकता पोस्टर का विमोचन कर रैली को हरी झंडी दिखाई।

दशहरा मैदान से शुरू हुई रैली शहर के प्रमुख मार्गों जैसे विजेता टॉकीज चौराहा, कमल चौक, फव्वारा चौक, मेसी शोरूम चौराहा, अंबेडकर रोड और लायंस पार्क होते हुए सीआरपीएफ रोड के रास्ते किलेश्वर मंदिर तक गई। रैली के दौरान महिलाओं ने अपने वाहनों के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता संदेश दिए।

महिलाओं ने कैंसर, थैलेसीमिया के लक्षण-बचाव की दी जानकारी रैली का समापन किलेश्वर मंदिर परिसर में एक विशेष सेमिनार के साथ हुआ। इसमें विशेषज्ञों ने महिलाओं को कैंसर, थैलेसीमिया और अन्य गंभीर बीमारियों के लक्षण, बचाव और उपचार के बारे में जानकारी दी।

इस पूरे आयोजन में शहर की बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर नारी सशक्तिकरण का संदेश दिया और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिए प्रोत्साहित किया।

एक नजर — उपलब्धियों, नौकरियों , व्यवसायों और पदों से जीवन बहुत बड़ा है : प्रोफेसर डॉ संजय जोशी

मेंटल हेल्थ प्रशिक्षण में परामर्शदाताओं ने दिए आत्महत्या के विचारों से बाहर आने के टिप्स

नीमच। आज का युवा छोटी छोटी बातों और प्रतियोगी परीक्षा में असफल होने के भय से जीवन को समाप्त करने को ही समाधान मानता है उन्हें यह मालूम होना चाहिए कि ईश्वर द्वारा आपको मनुष्य बनाया जाना सबसे बड़ी उपलब्धि और सबसे बहुमूल्य उपहार है। जीवन से बढ़कर कोई नौकरी ,पद और उपलब्धि नहीं है जीवन बहुत बड़ा है । इसलिए मुस्काराइये , हंसिये, खुश रहिए की यह अनुपम उपहार और अद्वितीय क्षमता ईश्वर ने केवल मानव को ही दी है। जीवन में धन्यवाद देना, आभार मानना, सकारात्मक बननाऔर हर हाल में खुश रहना सिखिए इससे तनाव , चिंता , अवसाद समाप्त होते हैं।

उपरोक्त महत्वपूर्ण परामर्श और सीख माननीय सर्वोच्च न्यायालय और मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा पांच चरणों में प्रायोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम मेंटल हेल्थ ट्रेनिंग कम वर्कशॉप में जिले के समस्त प्राध्यापकों अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षित करते हुए मनोरोग विशेषज्ञों , काउंसलर्स , मनोचिकित्सक तथा नीमच की विभिन्न आध्यात्मिक संस्थाओं से आए हुए प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान की गई।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रशांत मिश्रा और मेंटल हेल्थ ट्रेनिंग के जिला नोडल अधिकारी डॉ संजय जोशी ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य घोर प्रतिस्पर्धा, करियर, नौकरी की चिंता और माता-पिता की महत्वाकांक्षाओं के दबाव के चलते युवाओं में बढ़ रही आत्महत्याओं को कम करना है । रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं,करियर और नौकरी के कारण उनके मन में जो एंग्जायटी, भय, चिंता , तनाव और अवसाद है उससे युवाओं को बाहर निकलना भी इस कार्यक्रम और प्रशिक्षण का मुख्य प्रायोजन था।

पांच चरणों में आयोजित इस प्रशिक्षण में जिले के समस्त महाविद्यालयों की फैकल्टी को प्रसिद्ध मनोरोग चिकित्सक डॉ स्वाति वधवा, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की वरिष्ठ दीदी बी.के.सविता बहन ,बी.के. श्रुति बहन, बी.के.मेघना बहन, श्री श्री रविशंकर आर्ट ऑफ लिविंग की अरूणा सिंहल,सीमा गर्ग, हार्ट फूलनेस की दीपाली अरोरा, गायत्री शक्तिपीठ नीमच और शांति कुंज हरिद्वार से प्रशिक्षित ट्रेनर गिरिराज सिंह, उमंग मानसिक स्वास्थ्य काउंसलर्स नितेश कुमावत ,नेहा शर्मा, इत्यादि ने प्रशिक्षण प्रदान किया। इनके साथ ही इतनी बड़ी और विस्तृत इस ट्रेनिंग कम वर्कशॉप में श्री संजीव थोरेचा, प्रो.जितेन्द्र परिहार अतिथि विद्वान संजय पंवार का सहयोग भी उल्लेखनीय रहा। कार्यक्रम का संयोजन, संचालन और आभार वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ संजय जोशी ने माना।